



माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा



(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिए)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	5
2	6	20	5
3	6	21	
4	6	22	
5	6	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	3	30	
13	3	31	
14	3	योग	80
15	3	प्राप्तांकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	4	80	बाल्की
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर

संकेतांक

27125

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज़ ही उपयोग में लिया गया है। 181/2026

नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी ☒ अंग्रेजी ☐

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन शुक्रवार

दिनांक 20-02-2026

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालन अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

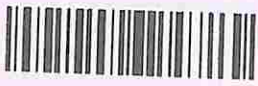
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)



परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर ही अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों की तिरछी लाइन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:-
 - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
 - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिए। परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
 - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केल्व्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
 - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिख कर लावें। टेबल के आस-पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच कर लें।
 - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

2005 - 21

प्र.1

उत्तर

- (i) (ब) धातु आन
- (ii) (क) चटाक - चट - धा
- (iii) (अ) वाति भेद का उच्चारण
- (iv) (ब) दालावाक
- (v) (स) अनामिका
- (vi) (क) धुमन
- (vii) (स) किसानदा का
- (viii) (क) शौफलमोर, गुरुजी का
- (ix) (स) इंटरनेट में
- (x) (अ) तहलका डॉटकॉम
- (xi) (ब) बुंदेली
- (xii) (अ) नेपाली

प्र.2

उत्तर

- (i) तीन
- (ii) व्यंजना
- (iii) भ्रांतिमान
- (iv) श्लेष
- (v) PERMISSIBLE
- (vi) न्याय



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	<u>प्र. 3</u>	
	<u>उत्तर</u>	
	(i) (अ) विघ्नी से	
	(ii) (ब) सफल होना (अ) मनन करना	
	(iii) (ब) अचल	
	(iv) शीर्षक - मातृभूमि का वरदान / जीवन की भीख।	
BSER-181/2026	(v) "क्यों बने फकीर लकीरो के" पंक्ति में कवि कहना चाहता है कि हमें पढ़-लिखकर अपना शस्ता से स्वयं बनाना चाहिए, अपने सपनों में लक्ष्य प्राप्त करना चाहिए।	
	(vi) पद्यांश में कवि, बुरा न बोलने, बुरा न देखने, बुरा न सुनने, न स्पर्क न झुकने और न धवराने की बात कह रहा है।	
	<u>प्र. 4</u>	
	<u>उत्तर</u>	
	(i) (ब) मृत्यु की	
	(ii) (अ) दीर्घ शंघि	
	(iii) (अ) जो स्वयं से मित्रता करता है	



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(iv) शीर्षक - ~~मनुष्य एवं कर्म~~

(v) मनुष्य को अपने स्वभाव और योग्यता के अनुसार अपना स्वधर्मनुसार कर्म का चयन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए।

(vi) मनुष्य की स्वयं से मित्रता निभाने की कसौटी है कि वह अपने कर्म का पवित्र निःस्वार्थ मन से करे।

BSER-18/2026

प्रश्न
उत्तर

(i) बज्जी को धातु के शतबन्धु किनारे से गिरने से उन्ही के "शरीर का शमांचित संगीत" बचाता है।

(ii) "कैमरे में बड़े अपाहिण" कविता में भाषात्कार कर्ता कार्यक्रम को शीघ्र बनाने के लिए अपाहिण की अपाहिणता को बैचकर उसे खलाना चाहता है।

(iii) बालार का जादू "आँख की शह" काम करता है इसमें व्यक्ति बालार की चकचकी में फँसकर बालार की पीली का शरीर के लिए लालाधित होता है।

(iv) "महलवान की दीलक" पाठ में नए राजकुमार के राज्य प्रबंधन अपने हाथ में लेने पर फंगल का

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

घोड़े की रेश ने ले लिखा।

(v) "बुझ" पाठ के अनुसार लेखक के कक्षा के लड़के में मंत्री नामक मास्टर की फसफत बैठी हुई थी। वह गणित के मास्टर थे।

(vi) प्रशाधर बाबू की पत्नी के चचेरे भाई का नाम गिरीश था।

खण्ड - ब

प्र. 6 जनसंचार का मुद्रित माध्यम आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम है। भारत में पक्षे धापण की शुरुआत 1556 ई. में शब्दा में हुई थी। इसकी विशेषता यह है कि इसे बार-बार पढ़ा जा सकता है एवं लंबे समय तक संभालकर भंडारण की जाती है। इसके अन्तर्गत पत्र-पत्रिकाएँ, अखबार एवं किताबें आती हैं।



परीक्षक द्वारा
प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 7. वीट रिपोर्टिंग का अर्थ होता है कि इसमें समाचार पत्र-पत्रिकाओं में जानकारी दी जाती है। इसके अन्तर्गत प्रायोगिकी, खेल वगैरह एवं इससे संबंधित जानकारी दी जाती है। इसकी भाषा सरल एवं सहज होती है। इस रिपोर्टिंग में पहले विषय का गहनता से अध्ययन कर लेना आवश्यक है।

प्र. 8. रेडियो नाटक, रेडियो पर प्रसारित नाटक ही होते हैं। इसे श्रोता सुनते हैं। इन नाटकों में ध्यान दी जाना वाली बात यह है कि नाटकों में पात्र कम हो, ताकि श्रोताओं का समझने में कठिनाई न हो। नाटकों की भाषा शैली सरल, सहज एवं बोधगम्य होनी चाहिए। यह नाटक किसी विशेष उद्देश्य से भुक्त तथा धारा एवं सरल होना चाहिए।

प्र. 9. लुट्टन पहलवान ने अपनी मृत्यु के संबंध में कहा था कि जब भी उसकी मृत्यु होगी तब उसे चिता पर पीठ के बल न भुलाकर पेट के बल भुलाया जाए। क्योंकि वह अपने जीवन में कभी परास्त नहीं हुआ था। यह बात उसके विद्यार्थियों ने मृत्यु के समय बताई थी।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र.10. "देखो आसनी में चाँद उतर आया है" पंक्ति में
उत्तर. जब बच्चों द्वारा चाँद का खिलौना समझा
उस पानी की जिद करी गयी तो माँ
ने अपनी भुझ-भुझ से उसकी जिद पूरी
करते हुए कहा यह वर्षण दिया और वर्षण
में चाँद का प्रतिबिम्ब दिखता है। इससे
बच्चों का लगा की चाँद उसके पास
आ गया है।

प्र.11. "भुझ" कहानी के अनुसार लैशक ने बताया
उत्तर. कि उसके पिता का मानना था कि
गाँव भर में काले भबसे पहले शुरू
करने पर ही अच्छी-खासी कीमत मिल
जाती थी एवं सारा गुड बिक भी
जाता था।

प्र.12. यशोधर बाबू को उनके बेटे ने उनकी
उत्तर. सिल्वर वैडिंग एनिवर्सरी पर एक उनकी
गाऊन गिफ्ट में दिया था ताकि यशोधर
बाबू बाहर आते जाते एवं सब्जी लाते
वक्त वह पहन सकें। एवं यशोधर बाबू
दुध लाने जाते तो वही पुराने और
फटे हुए कपड़े में जाते इसलिए
उनके बेटे ने यह उपहार दिया।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

2005 - सप्र. 13
उत्तर

हजारी प्रसाद द्विवेदी

(1) जन्म एवं शिक्षा ⇒ हजारी प्रसाद द्विवेदी का जन्म सन् 1907 में उत्तरप्रदेश के बलिया जिले के "आरत द्वे" का "द्वपरा" गाँव में हुआ था।

• उनकी प्रारम्भिक शिक्षा गाँव में हुई थी।

• बाद में उन्होंने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं पंजाब विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग में प्राध्यापक पद पर कार्य किया।

(2) प्रमुख रचनाएँ ⇒ इनकी प्रमुख रचनाएँ निम्न हैं -
कबीर, बाणभट्ट की आत्मकथा, कल्पतरु, कल्मलता, कटुव, अशाक के फूल, आलोक पर्व, चारु-चंद्र लेख आदि शामिल हैं।

(3) साहित्यिक जीवन ⇒ हजारी प्रसाद द्विवेदी को एक निबन्धकार, आलोचक एवं उपन्यास के रूप में जाना जाता है।

(4) सम्मान एवं पुरस्कार ⇒ उन्हें अपनी प्रसिद्ध रचना "आलोक पर्व" पर साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

(5) मृत्यु ⇒ हजारी प्रसाद द्विवेदी की मृत्यु सन् 1979 में हुई थी।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र.14 "छोटा मेश खेत" कविता में काल्पनिक रचना एवं
उत्तर कृषि कर्म की प्रभावी तुलना की गयी है।
कवि उमाशंकर जोशी बताते हैं कि जिस
प्रकार किसान अपने खेत में बीज बोता है
एवं उस खेत में व पानी से सिंचता है
तत्पश्चात् फल / अन्न की प्राप्ति होती है उसी
प्रकार कवि का कागज का यह पुष्पाधारित
खेत के समान लगता है जिसमें कल्पनी
रूपी अ-भावात्मक आँधी आती है एवं
विचार या अभिव्यक्ति का बीज बो जाती है
जो कि कल्पना रूपी श्मायना का पीकर
उगता है एवं परिणाम स्वरूप कागज पर
रचना शब्दबद्ध होती है।
श्मश कविता के आनन्द में रूपी श्म की
प्राप्ति होती है।

प्र.15 अंबेडकर की कल्पना का आदर्श समाज तीन
उत्तर तत्वों पर आधारित है - स्वतंत्रता, समता
एवं भ्रातृता। श्म आदर्श समाज में
व्यक्ति का अपना पेशा चुनने की स्वतंत्रता
होती है। व्यक्ति का जन्म से ही अपने
पेशे से नहीं बंधना पड़ता है।
व्यक्ति अपनी योग्यता एवं रुचि के अनुसार
पेशा परिवर्तित भी कर सकता है।
अंबेडकर के अनुसार व्यक्ति की समता



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

तीन तत्वों पर आधारित होती है - (1) शारीरिक वंश परम्परा; (2) सामाजिक उत्तराधिकार एवं (3) मनुष्य के अपने प्रयत्न।
पहले दो कारणों से व्यक्ति के साथ समान व्यवहार करना अनुचित है परन्तु तीसरे कारण से व्यक्ति के साथ असमान व्यवहार करना स्वभाविक है।

प्र. 16 मुअनवी - ढ़ी सभ्यता की विशेषताएँ निम्न लिखित हैं -
उत्तर

(i) मुअनवी - ढ़ी सभ्यता साधन सम्पन्न थी, वहाँ मिट्टी के बर्तन, चाँदी की गार्दियों, अनाज भण्डारण के लिए बिल्क विशाल कोठार, आदि मिले थे।

(ii) मुअनवी - ढ़ी सभ्यता का नगर नियोजन सुन्दर था। वहाँ जल निकास की बेजोड़ व्यवस्था थी। इसके "ग्रिड" प्लान की थी।

(iii) वहाँ सभ्यता का आडंबर नहीं था। वह एक "ला-पोफ़िश" सभ्यता था, जिसकी लघुता में ही विलयता छिपी थी।

(iv) मुअनवी - ढ़ी में 700 के लगभग ऊँचे तथा एक बड़ा मधुकुण्ड था, एवं प्रत्येक घर में स्नानागार होने के कारण इसे जल संस्कृति भी कह सकते हैं।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(अ) वहाँ लोगों में कला का महत्व अधिक था। यह सभ्यता राजपाषाण या धर्मपाषाण न होकर समाज पाषाण थी अर्थात् आपसी सम्बन्ध से स्थापित थी।

प्र. 17

-: अथवा :-

उत्तर

प्रसंग → प्रस्तुत अवतरण, हमारी हिंदी की पाठ्यपुस्तक आशुतोष भाग-2 के "काल में घा पानी है" पाठ से लिया गया है। इसका रचनाकार "धर्मवीर भारती" है।

संदर्भ → इस गद्यांश में, लेखन ने हमारे वर्तमान समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं भ्रष्टाचारियों - पन पर व्यंग्य किया है। यह भी बताया है कि लोग आप-कल भाग, एवं दान को पूरी तरह से भूलते जा रहे हैं।

व्याख्यान → लेखक अपनी और जीवों के बातें करते हुए कहता है कि अब इन बातों को लगभग पचास से ज्यादा वर्ष होने का आए है। लेकिन फिर भी कभी-कभी यह बातें लेखक के मन में



प्रश्न उठता है कि आजादी के समय में हम देश के लिए क्या करते हैं? आदरणीय लोगों का विचार बदल गए हैं। लोगों के मन स्वार्थी हो, कपटी हो गए हैं। पहले कि तरह उनके मन में त्याग व दान की भावना नहीं रही है। सभी का बस स्वार्थ ही एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम अपने आस-पास हो रहे भ्रष्टाचार की बातें तो श्रुत करते हैं, उन्हें गलत भी बताते हैं परन्तु यह नहीं सोचते हैं हम कहीं तक भ्रष्टाचार में शामिल नहीं हैं। अपने स्वयं की भ्रष्ट आचरण की बात को नहीं करते हैं। जन कल्याण को ध्यान में रखी गंगरी में भ्रष्टाचार के दौड़ हो गए हैं। अर्थात् ध्यान तो श्रुत बनती है परन्तु उनका लाभ आम जनता तक नहीं पहुँच पाता है।

निर्देश ⇒ (1) छोटी बोली हिन्दी का प्रयोग है
(2) वर्तमान समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार के बारे में बताया गया है।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 18 प्रसंग = प्रस्तुत पद्यांश हमारी हिन्दी की पाठ्यपुस्तक
उत्तर आशुतोष भाग-2 के "बादल राग" कविता
में लिया गया है। इसका रचनाकार
शुभकांत त्रिपाठी "निराला" है।

सन्दर्भ = इसमें बादलों को क्रान्ति दूत एवं
विद्रोह का प्रतीक बताया गया। यह
बादल वंचित, शोषित वर्ग का
प्रतिनिधित्व करता है। ये वर्ग
बादलों अर्थात् क्रान्ति की आशा में है।

व्याख्या = कवि बताते हैं कि पुंजीपति
ने कृषक वर्ग एवं कलित वर्गों
आदि का भरपूर शोषण कर लिया
है। अब शोषित लोगों को पास
कुछ भी नहीं बचा है। वे अब
डरते, काँपते हुए बादलों की आशा
की आशा लगाए हुए हैं। शोषितों की हालत
बताते हुए कहता है कि बार में
शरीर एकदम ठंडा हो गया है
उनकी बाँहें कमजोर हो गयी हैं।
उनके पास जीने के लिए केवल
ही बची है। इसलिए अब वे
अपने शोषण से तंग आकर बादलों
का आद्वान करते हैं। यह अब
जीवन में क्रान्ति की आशा करते हैं।

परीक्षक द्वारा
प्रश्न संख्याप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

इसलिए मैं उन्हीं बालों को विश्व के वीर
कहों हूँ। एवं बालों के जीवन के
सब परिवार भी कहों हूँ।

विशेष :- (1) बालों की तुलना क्रांति में की है।
(2) शक्ति के जीवन में परिवर्तन
लाने के लिए क्रांति की आवश्यकता बताई है।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 19
उत्तरजिला खेल अधिकारी
पाली, राजस्थान

प्र.क्र - जि.ख.भ./पा./302/2024

दिनांक - 20 फरवरी, 2024

निविदा सूचना संख्या - 302/2024

अधोपस्थापक द्वारा निम्न विवरणानुसार खेल सामग्री की आपूर्ति हेतु प्रतिष्ठित निर्माताओं से निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं जो कि दिनांक 1 मार्च 2024 को दोपहर 2 बजे तक प्राप्त की जाएगी एवं उसी दिन दोपहर 3 बजे शुरू निविदाकारों के समक्ष खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र, निविदा खोलने की निर्धारित तिथि का 12 बजे तक, धरोहर शशि निविदा प्रपत्र शुल्क, रखांशित बैंक ड्राफ्ट, खेल अधिकारी कार्यालय में जमा करवाकर प्राप्त की जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लगत शशि	धरोहर शशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	आपूर्ति तिथि
1	खेल - रूढ़ सामग्री	2 लाख	4000/-	1000/-	25 मार्च

आवश्यक शर्तें -

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

- (i) धर्मोद्धार राशि बैंक ड्राफ्ट के रूप में ही स्वीकार्य होगी।
(ii) अधोदस्ताद्वर कर्ता के पास किसी भी निविदा का स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार होगा।
(iii) अशर्त निविदाएँ मान्य नहीं होगी।

कमल
दस्तावेज
जिला शेत अधिकारी
पाली

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्न

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और हमारा समाज

- (1) प्रस्तावना
- (2) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्या है?
- (3) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया समाज के लिए उपयोगी
- (4) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के दुष्परिणाम
- (5) उपसंहार

(1) प्रस्तावना ⇒ वर्तमान, समय में हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से काफी प्रभावित हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का आविष्कार हमारे चारों ओर व्याप्त है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हमारे लिए लाभकारी है तो इसके कुछ दुष्परिणाम भी हैं।

(2) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्या है? ⇒ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का विकास पिछले कई वर्षों में बहुत हुआ है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का अर्थ है किसी भी ध्वनि या चित्र की जानकारी समाचार पत्र या अखबारों से न लेकर हम टेलीविजन या मोबाइल के जरिए मिल जाती है। हम इसे घर पर बैठकर ही देख सकते हैं। हम इसे ध्वनि और चित्र का संलग्न नहीं करना पड़ता है। यह हमारे समाज को प्रभावित भी करती है। इसके भी दो पहलू हैं।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(3) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया समाज के लिए उपयोगी ⇒ भारतीय समाज आज पूरी तरह से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से प्रभावित है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने लोगों का रुचि काफी भरल कर दिया है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से लोग सभी तरह की घटनाओं, परिचय एवं बहसों से अवगत रह पाता है। लोग घर बैठ ही दूर स्थित शहर या देश की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें फोटो के साथ-साथ वीडियो की भी सुविधा रहती है। हमारे लिए किसी भी बात का समझना आसान हो जाता है। हमारी कल्पना में भी वृद्धि होती है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की एक विशेषता यह है कि इसमें सबूतों को भी संभालकर रखा जा सकता है। स्टिंग ऑपरेशन करके किसी अपराध का भी पर्दाफाश किया जा सकता है।

(4) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के दुष्परिणाम ⇒ जिस प्रकार हमारे लिए उपयोगी है उसी प्रकार समाज के लोगों पर इसका बुरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अपने आपसे बहुत शक्तिशाली समझती है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कार्य कर रहे लोगों

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

की प्रवृत्ति कभी-कभी संबन्धनहीन भी हो
जाती है। वे अधिक से अधिक
लोकप्रियता कमाने के लिए अश्लील
चीजें भी दिखाने लगते हैं। जिससे
कई वर्गों के लोगों पर बुरा प्रभाव
पड़ता है। ये कभी-कभी वाति प्रथा
या इससे संबंधित मुद्दे भी उठा लेते
हैं। जिससे भी समाज के लोगों
पर प्रभाव पड़ता है।

उपसंहार = इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने हमारे जीवन
को सरल तो बना दिया है
परन्तु यह कभी-कभी हमारे लिए बुरा
परिणाम भी सिद्ध हो सकती है।
अतः इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का विना
अकारण उपयोग किया जाए वही
समाज कल्याण के लिए सही होगा।
इससे देश की नींव भी मजबूत होगी।

— समाप्त —

80
80अरुण
जैन

27/28

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-1812026

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSEH-18/1/2026



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

[illegible]

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-181/2026



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-18/1/2026

